बिल्डिंग नहीं, शिक्षक की जरूरत: डॉ अजीत

भारतीय परंपरा व संस्कृति के संवर्धन में शिक्षा की भूमिका विषय पर संगोष्ठी

भास्कर न्यूज | गोमो

भारतीय परंपरा व संस्कृति के संवर्धन में अध्यापक शिक्षा की भूमिका के विषय पर आयोजित दो दिवसीय नेशनल संगोष्ठी के समापन दिवस के कई शिक्षाविदों ने शिरकत की। गुरुवार को कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई। विधायक मथुरा महतो ने कहा कि यह सेमिनार सुदूर ग्रामीण तथा उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जैक अध्यक्ष प्रो डॉ अनील कुमार महतो ने कहा कि यह ऐसी जगह है जहां क्रांतिकारियों ने संघर्ष किया। मथुरा महतो सही मायने में झारखंड के अविभावक हैं जिन्होंने सीएनटी एक्ट लगाकर झारखंडियों के अस्तित्व की रक्षा की। शिक्षक से समाज सीखता है और समाज से देश सीखता है। विशिष्ट अतिथि विधायक सरयू राय

तोपचांची में आयोजित कार्यक्रम में शामिल सरयू राय, मथुरा महतो।

ने कहा कि समयकाल में परिवर्तन होकर सबकुछ बदलता है। ज्ञान परंपरा के आधार पर ही भारत विश्व गुरु बनया जा सकता है। भारतीय संस्कृति भारतीय परम्परा निरंतर चलने वाली प्रवाह है। हम भारतीय परंपरा व संस्कृति के रूप में अपने को परिवर्तित करें। मुख्य अतिथि रांची विवि के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि हमारे राज्य में शिक्षकों की कमी हैं, राज्य में बिल्डिंग बहुत बनते जा रहें परंतु उन बिल्डिंगों में पढ़ाने वाले शिक्षकों की घोर कमी है। राज्य को बिल्डिंग नहीं शिक्षक की जरूरत है। झारखंड में 32 भाषाएं हैं जिसमें 9 विषयों पर पोस्ट ग्रेजुएट व पीएचडी की पढ़ाई शुरू कर दी गई है। नई शिक्षा निति के अनुसार शिक्षकों को स्टूडेंट्स के भविष्य संवारने में भी मदद करनी पड़ेगी।

बिनोद बिहारी टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

भारतीय परंपरा और संस्कृति निरंतर चलने वाली प्रक्रिया : सरयू राय

23/09/2022

तोपचांची। भारतीय परंपरा और संस्कृति के संवर्धन में अध्यापक की भूमिका पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन पर बिनोद बिहारी टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में गुरुवार को कई शिक्षाविदों ने शिरकत की। इस दौरान विद्वानों ने शिक्षा के क्षेत्र में अध्यापक की भूमिका पर आत्मसात करने वाला व्याख्यान दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद विधायक सरयू राय ने अपने संबोधन में कहा कि यह सेमिनार अपने सार्थक उद्देश्य के प्रति सहायक होगा। कोई भी भाषा कोई भी ज्ञान हम अपनी प्राथमिक भाषा में ही प्राप्त करते हैं। भारतीय संस्कृति भारतीय परंपरा निरंतर चलने वाली प्रवाह है। विधायक मथुरा महतो ने कार्यक्रम के दौरान स्वागत भाषण में कहा कि यह क्षेत्र सुदूर ग्रामीण तथा उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र के नाम से जाना जाता था। इस पहचान को बदलने के उद्देश्य से ही यह सेमिनार आयोजित किया गया।

नयी शिक्षा नीति से संवरेगा छात्रों का भविष्य : डॉ अजीत

मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि हमारे राज्य में शिक्षकों की कमी हैं, राज्य में बिल्डिंग बहुत बनते जा रहे हैं परंतु उन बिल्डिंगों में पढ़ाने वाले शिक्षकों की घोर कमी है। राज्य को बिल्डिंग नहीं शिक्षक की जरूरत है। अगर शिक्षक होंगे तो पेड़ के नीचे भी बैठकर पढ़ा लेंगे । नई शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षकों को स्टूडेंट्स के भविष्य संवारने में भी मदद करनी पड़ेगी। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रो नीतू कुमारी द्वारा किया गया। मौके पर डायरेक्टर परितोष कुमार महतो, संयोजक सुमन महतो, प्राचार्य नगेन्द्र सिंह, अरूण महतो ,उत्तम महतो, डॉ विवेक सिंह, पवन महतो, जगदीश चौधरी, दिनेश महतो, बसंत महतो, राजकुमार महतो सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे ।

संस्कृति के अनुरूप खुद को करें विकसित : सरयू

संवाद सहयोगी, तोपचांची : साहूबहियार स्थित बीएड कालेज में गुरुवार को भारतीय परंपरा और संस्कृति के संवर्धन में अध्यापक शिक्षा की भूमिका पर आयोजित दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का समापन हुआ। इसमें देशभर से दर्जनों शिक्षाविद शामिल हुए। इस मौके पर रांची विश्वविद्यालय के कुलपति अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि हमारे राज्य में लगातार भवन बन रहे हैं, पर शिक्षकों की कमी लगातार बढ़ती जा रही है।

इस पर किसी का ध्यान नहीं है। झारखंड की अपनी भाषा और संस्कृति को बचाने की जिम्मेदारी आने वाले समय में शिक्षकों लेना पड़ेगी। जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने कहा कि मनुष्य के जन्म के साथ ही घर में ही पहली शिक्षा की नींव पड़ती है। वहीं से हम भारतीय संस्कृति और परंपराओं को समझना शुरू करते हैं। भारतीय परंपरा और संस्कृति निरंतर चलने वाली है। इसके अनुरूप में हमें अपने आपको विकसित करना होगा।

गुरुवार को बीएड कालेल साहूबहियार में आयोजित सेमिनार में विधायक सरयू राय को सम्मानित करते टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो • जागरण

शिक्षा के विकास में शिक्षकों की अहम भूमिका है। जैक के अध्यक्ष अनिल कुमार महतो ने कहा कि भारतीय संस्कृति में माता पिता, भाई, बहन को सम्मान देने की परंपरा थी, पर वर्तमान समय में गलत शिक्षा नीति के कारण धीरे-धीरे उस सभ्यता और संस्कृति को लोग भूलते जा रहे हैं। हमारी सभ्यता और संस्कृति तभी बचेगी जब हमारी भाषा बचेगी। झारखंडी भाषा की पढ़ाई होनी चाहिए, लेकिन नहीं हो रही है।

कालेज के सचिव सह विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि जिस तोपचांची को नक्सल क्षेत्र के नाम से जाना जाता है अब उस तोपचांची को शिक्षा के नाम से जाना जाता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को शिक्षा के क्षेत्र में अध्यापकों की क्या भूमिका और महत्व को समझने का अवसर प्राप्त हुआ है। डा. उपेंद्र कुमार, डा. प्रवीण कुमार, डा. इंद्रजीत कुमार, प्रोफेसर आनंद बर्धन ने भी सेमिनार को संबोधित किया। मौके पर बीएड कालेज के प्राचार्य नरेंद्र सिंह, निदेशक परतोष महतो, प्राचार्य उत्तम महतो, राजकुमार महतो समेत कालेज के कर्मचारी मौजूद थे।

बीएड कॉलेज में राष्ट्रीय सेमिनार शिक्षाविदों ने रखे अपने विचार

- तोपचांची बीएड कॉलेज में दो दिनी राष्ट्रीय सेमिनार संपन्न
- घर का माहौल ही बच्चों की पाठशाला: सरयू राय

गोमो, प्रतिनिधि। तोपचांची बीएड कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन गुरुवार को हुआ। अंतिम दिन मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सह विधायक सरयू राय, रांची विवि के कुलपति अजित कुमार सिन्हा और विधायक मथुरा प्रसाद महतो थे। भारतीय परंपरा व संस्कृति के संवर्धन में अध्यापक, शिक्षा की भूमिका पर आधारित कार्यक्रम था। कई प्रांतों से अलग-अलग विवि के कुलपति, प्रोफेसर शामिल हुए।

सेमिनार में सरयू राय ने कहा कि जब कोई शिक्षक विद्यार्थियों को शिक्षित करते हैं तो शिक्षा निति के साथ कई चीजों का ध्यान रखा जाता है। बच्चों में घर की परंपरा व संस्कृति ही पहले उसे जीवनकाल में समृद्ध बनाता है। उन्होंने कहा कि आप जीवन में दूसरों के लिए कोई ऐसा कार्य नहीं करें जो स्वयं के लिए पसंद नहीं हो। शिक्षा ही भारत की समृद्ध परंपरा को विकसित कर सकती है। विधायक मथुरा महतो ने कहा कि तोपचांची उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र के नाम से बदनाम था। मौके पर जैक अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार महतो, डॉ. उपेंद्र कुमार, डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. इंद्रजीत कुमार, प्रो. आनंद वर्धन ने भी सेमिनार को संबोधित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में बीएड कॉलेज के डायरेक्टर परितोष महतो, राजकुमार महतो, उत्तम महतो, दिनेश महतो, जगदीश चौधरी, डॉ. अरुण कुमार, आरपी मिश्रा शामिल थे।

सेमिनार का उद्घाटन करते सरयू राय।

दैनिक - 23/9/22

संस्कृति व परंपराओं को वापस लाने की जरूरत

विस अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो को सम्मानित करते विधायक मथुरा प्रसाद महतो • जागरण

संस, तोपचांची : तोपचांची के साहूबहियार स्थित बीएड कालेज में बुधवार को भारतीय परंपरा और संस्कृति के संवर्धन में अध्यापक की भूमिका पर आयोजित नेशनल सेमिनार आयोजित किया गया। शुभारंभ झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो, नासा के वैज्ञानिक ओमप्रकाश पांडेय व विधायक मथुरा महतो ने किया। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने कहा कि शिक्षा ऐसा मार्ग है, जिस पर चलकर उच्च स्थान प्राप्त किया जा सकता है। एक जमांने में गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण करने की परंपरा थी। माता-पिता गुरुकुल के क्रियाकलापों में हस्तक्षेप नहीं करते थे। समय बदला और नई परंपराओं ने जन्म लिया। ओमप्रकाश पांडेय ने कहा कि आज के इस युग में जरूरत है हमें अपनी खोई हुई संस्कृति एवं परंपराओं को वापस लाने की। प्रो. डा. राकेश राय, प्रो. डा. आनंद वर्धन, प्रो. डा. गंगाधर पंडा, डा. सुखदेव भोल तथा प्रो. डा. ओमप्रकाश पांडेय, डा. प्रेमलता देवी, डा. विमल किशोर एवं विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने अपना विचार व्यक्त किया। बीएड कालेज के प्राचार्य नरेंद्र सिंह आदि थे।

दैनिक जागरण - 22/09/2022

हिन्दुस्तान 22/09/22

'सफल व्यक्ति बनने के लिए शिक्षा ही एक उपाय'

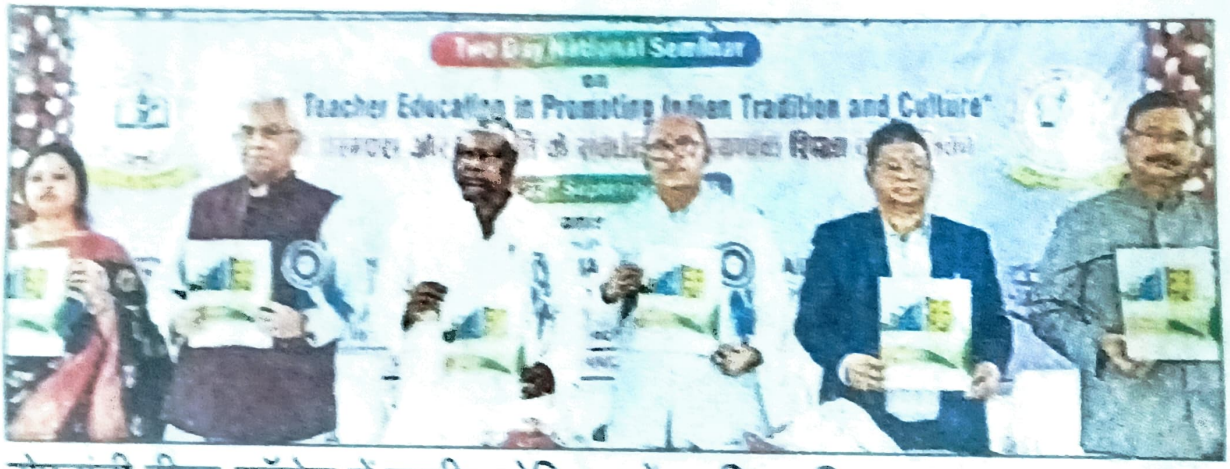

तोपचांची बीएड कॉलेज में राष्ट्रीय सेमिनार में उपस्थित विस अध्यक्ष।

राष्ट्रीय सेमिनार

- तोपचांची बीएड कॉलेज में विस अध्यक्ष ने किया सेमिनार का उदघाटन
- शिक्षाविद ने कार्यक्रम में विद्या ददाति विनयम का पाठ पढ़ाया

गोमो, प्रतिनिधि। तोपचांची बीएड कॉलेज में बुधवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। उद्घाटन झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रविन्द्रनाथ महतो और विधायक मथुरा महतो ने किया। इसमें कई शिक्षाविद शामिल हुए। राष्ट्रीय सेमिनार भारतीय परंपरा व संस्कृति के संवर्धन में अध्यापक शिक्षा की भूमिका पर आधारित थे। विस अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षा ही ऐसा मार्ग है जिसपर चलकर मानव सफल व्यक्ति बन सकता है। साथ ही उच्च स्थान प्राप्त कर सकता है। वहीं, प्रोफेसर डॉ राकेश राय, प्रोफेसर डॉ आनंद बर्धन, प्रोफेसर डॉ गंगाधर पंडा, प्रोफेसर डॉ सुखदेव भोल तथा प्रोफेसर डॉ ओमप्रकाश पांडेय, डॉ प्रेमलता देवी, प्रोफेसर डॉ विमल किशोर और अंत में विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने भी सेमिनार को संबोधित किया।

भारतीय परंपरा व संस्कृति के संवर्द्धन में अध्यापक की भूमिका विषय पर तोपचांची में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार शुरू

शिक्षा ऐसी, जो आदर्श नागरिक तैयार करे: रवींद्र नाथ महतो

भास्कर न्यूज | गोमो

शिक्षा का दिन-प्रतिदिन प्रसार हो रहा है। देश-दुनिया में हजारों-लाखों शिक्षक विभिन्न संस्थानों में पढ़ा रहे हैं। बच्चे भी पढ़-लिखकर डॉक्टर, इंजीनियर, अफसर, शिक्षक बन रहे हैं। लेकिन यही काफी नहीं है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए कि उससे देश-समाज के लिए आदर्श नागरिक तैयार हो सकें। ये बातें झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो ने बुधवार को तोपचांची के बीबीएमएम टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में राष्ट्रीय सेमिनार में कहीं। दो दिवसीय सेमिनार का विषय है - भारतीय परंपरा और संस्कृति के संवर्द्धन में अध्यापक, शिक्षा की भूमिका। उन्होंने कहा कि आदर्श गुरु बनने से कहीं ज्यादा कठिन आदर्श शिष्य बनना है। हर दिन-प्रतिदिन मॉडर्न होने का दावा करते हैं, लेकिन इस चक्कर में अपनी संस्कृति और परंपराओं को भूलना ठीक नहीं है। शिक्षक असल में राष्ट्र के निर्माता होते हैं और शैक्षणिक संस्थाएं राष्ट्र निर्माण की फैक्ट्रियां।

तोपचांची के बीबीएमएम टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के पहले दिन मौजूद विस अध्यक्ष, विधायक, वीसी व अन्य।

अध्यापक और अध्येता का संबंध भौतिक नहीं, आत्मिक होता है : मथुरा प्रसाद महतो

दो दिवसीय सेमिनार के पहले दिन अध्यक्षता करते हुए टुंडी के विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने विधानसभा अध्यक्ष का स्वागत अंगवस्त्र, मोमेंटो और पुष्प गुच्छ के साथ किया। अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि शिक्षा से ही व्यक्ति का मानसिक, नैतिक व आध्यात्मिक विकास होता है, चरित्र का निर्माण होता है और वह मनुष्य की संज्ञा पाने योग्य बनता है। अध्यापक और अध्येता का संबंध सिर्फ बाहरी नहीं, आंतरिक होता है। भौतिक नहीं, बल्कि आत्मिक होता है। बीबीएमकेयू के वीसी डॉ सुखदेव भोइं ने कहा कि भारतीय परंपरा, संस्कृति और अनुसंधान को बढ़ावा देने में ज्ञान और ज्ञान प्रणाली में शिक्षक की भूमिका हमारे अतीत को भविष्य के साथ जोड़ने के लिए अनिवार्य है।

दैनिक भास्कर - 22 - जुलाई - 2022

प्रभात खबर - 22 सितम्बर 2022

निरसा-चिरकुंडा-मैथन

तोपचांची. भारतीय परंपरा के संवर्धन में शिक्षकों की भूमिका पर संगोष्ठी

सभ्यता व संस्कृति के अनुकूल छात्र तैयार करें शिक्षक : स्पीकर

- बीबीएम टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज साहूबहियार में दो दिवसीय आयोजन

प्रतिनिधि, तोपचांची

बिनोद बिहारी महतो मेमोरियल टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज साहूबहियार प्रांगण में भारतीय परंपरा और संस्कृति के संवर्धन में अध्यापक व शिक्षा की भूमिका को लेकर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के पहले दिन मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने कहा कि शिक्षक के जीवन में उत्तरदायित्व सबसे महत्वपूर्ण विषय है. शिक्षक नैतिक शिक्षा देकर छात्रों को आदर्श नागरिक बनाते हैं, जो एक चुनौती भरा काम है. शिक्षकों को सामाजिक परिवर्तन में अपनी संस्कृति व सभ्यता के अनुकूल विद्यार्थी का निर्माण करना होगा. विधायक मथुरा

मंचासीन विधानसभा के स्पीकर, विधायक व अन्य. फोटो। प्रभात खबर

प्रसाद महतो ने कहा कि समाज में शिक्षा का स्थान सबसे ऊपर है. जब सभी वर्ग शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते थे, शिक्षा केवल संभ्रांतों के बीच ही थी, उस समय भी शिक्षक की भूमिका अहम थी, जो आज भी कायम है. बीबीएमकेयू के चेयरमैन डॉ सुखदेव भोई ने कहा कि शिक्षा में व्यापकता आयी है, जिसके कारण समाज के अंतिम पायदान के परिवार का व्यक्ति भी आज भारत के सर्वोच्च पद पर विराजमान हो रहा है. सफल बनाने में प्राचार्य अरुण कुमार महतो, डॉ नरेंद्र सिंह, उत्तम महतो, डॉ गौरांग भारद्वाज, डायरेक्टर परितोष महतो, सुमन महतो, दिनेश महतो, सुमित महतो, राजकुमार महतो, पवन महतो, जगदीश चौधरी, सत्येंद्र कुमार, संजय महतो, तुलसी महतो आदि का सराहनीय योगदान रहा. संचालन नीतू कुमारी ने किया.

इन्होंने भी किया संबोधित : प्रो डॉ विमल किशोर सेंट्रल यूनिवर्सटी रांची, डॉ प्रेमलता देवी इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, डॉ ओमप्रकाश पांडेय चीफ स्पीकर स्पेस साइंटिस्ट नासा, प्रो डॉ गंगाधर पांडा वाइस चांसलर कोल्हान यूनिवर्सिटी चाईबासा, प्रो डॉ आनंद वर्धन डॉ बीआर आंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली, प्रो राकेश राय सेंट्रल यूनिवर्सिटी गुजरात.